

13/06/24

जैसे वकील वादिते उपस्थित। न ही वादिते
उपस्थित। बरकी कउपस्थिते वाकत केके
कारण ही पैसा हुआ। बार-बार फायदा
लगवाइ गइ। कतः यह वादतः कउप
पैश्वी कउप हाजरी से खारिज किया जाता
है। ~~मिसे~~ पत्रायली निषि में सुधार
की जाकर नम्बर से काम हो तथा तरीक
तकमिल होकर दायिल दफतर ले हू